नईदुनिया

कौन हैं ईरान के नए राष्ट्रपति पेजेशकियान भारत के प्रति कैसा रहेगा उनका रुख

तेहरान ।

ईरान के चुनाव नतीजों का एलान हो गया है और सुधारवादी नेता मसूद पेजेशकियान को नया राष्ट्रपति चुन लिया गया है। इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर हादसे में मौत के बाद ईरान में नए राष्ट्रपति के लिए 28 मई को पहले चरण का मतदान हुआ। वहीं 5 जुलाई को हुए दूसरे चरण के मतदान के बाद मसूद पेजेशकियान ने जीत हासिल की है। पेजेशकियान की पहचान एक उदारवादी और सुधारवादी नेता के रूप में हैं। अपने चुनाव अभियान के दौरान पेजेशकियान ने सख्त हिजाब कानून को आसान बनाने का वादा किया था। तो आइए जानते हैं कि कौन हैं मसूद पेजेशकियान और उनके राष्ट्रपति बनने से भारत के साथ ईरान के रिश्तों पर क्या असर होगा। पहले भी राष्ट्रपति पद के लिए पेजेशकियान ने किया था नामांकन ईरान के नए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान पेशे से डॉक्टर हैं और ईरान की तबरीज मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रमुख रहे हैं। पेजेशकियान साल 1997 में ईरान के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। मसूद पेजेशकियान पहली बार राष्ट्रपति चुनाव में नहीं उतरे बल्कि साल 2011 में उन्होंने पहली बार राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली थी। पेजेशकियान की पहचान एक उदारवादी नेता की है और वह पूर्व राष्ट्रपति हसन रूहानी के करीबी माने जाते हैं। पेजेशकियान को हिजाब के सख्त कानून का विरोधी माना जाता है। भारत-ईरान संबंधों पर क्या होगा असर भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत आर्थिक संबंध रहे हैं। पेजेशकियन के राष्ट्रपति बनने के बाद इन संबंधों के और भी मजबूत होने की संभावना है। पेजेशकियान एक सुधारवादी नेता हैं और वह पश्चिमी देशों से भी संपर्क बढ़ाने के पक्षधर हैं। ऐसे में वह भारत के साथ संबंधों को प्राथमिकता नहीं देंगे, ऐसा होने की आशंका कम ही है। खासतौर पर रणनीतिक रूप से अहम चाबहार बंदरगाह पर दोनों देशों का फोकस रहेगा। भारत ने इस परियोजना में भारी निवेश किया है और यह बंदरगाह, भारत को पाकिस्तान को दरकिनार कर मध्य एशिया तक कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। भारत ने चाबहार बंदरगाह टर्मिनल के विकास के लिए 12 करोड़ डॉलर देने का वादा किया है ।

न्यूज ब्रीफ

बिलावल भुट्टो ने आम चुनाव में पारदर्शिता की कमी की बात स्वीकारी, कहा गड़बड़ियां बंद होनी चाहिए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने फरवरी में हुए आम चुनाव की आलोचना की। उन्होंने आम चुनाव में पारदर्शिता की कमी को स्वीकार किया। बिलावल भुट्टो ने दावा किया कि आठ फरवरी के चुनावों में पाकिस्तान के इतिहास में सबसे बड़ी धांधली हुई थी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बिलावल भुट्टो ने आम चुनावों में होने वाली धांधली के मुद्दे को खत्म करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजनेताओं को इस बात से सहमत होना होगा कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से हो और इसके परिणाम को स्वीकार किए जाने चाहिए। बिलावल ने अन्य पार्टियों और राजनेताओं की तरफ से पैदा की जाने वाली बाधाओं पर अफसोस जताया। विकास पहलों के संबंध में बिलावल ने लीवर प्रत्यारोपण के लिए गम्बत में एक आधुनिक अस्पताल की स्थापना का हवाला देते हुए स्वास्थ्य सेवा में सिंध सरकार की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने क्वेटा में भी इस तरह के विकास का वादा किया। पीपीपी के घोषणापत्र पर चर्चा करते हुए बिलावल ने राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) को खत्म करने पर जोर दिया। उन्होंने राजनीतिक इंजीनियरिंग और राजनेताओं की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के लिए एनएबी की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर प्रभाव पड़ा। 2024-25 के बजट पर टिप्पणी करते हुए बिलावल ने कहा कि पीपीपी ने देश के हालात को स्थिर करने के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) का समर्थन किया। दोनों पार्टियों के बीच हुए समझौतों को जारी रखने के लिए उन्होंने पीएमएल-एन की असफलता पर असंतोष जताया। इसी के साथ उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र, आर्थिक सुधार, राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी पार्टी में के प्रयासों को रेखांकित किया।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर ने डेविड लैमी को विदेश सचिव नियुक्त किया, भारत का जल्द दौरा कर सकते हैं

लंदन। ब्रिटेन के नवनियुक्त प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने आम चुनाव जीतने के बाद लेबर पार्टी की सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्टार्मर ने डेविड लैमी को अपना विदेश सचिव नियुक्त किया। लैमी जल्द ही भारत का दौरा करेंगे। क्योंकि 51 वर्षीय लेबर नेता ने पिछले महीने ही कहा था कि अगर उनकी पार्टी 4 जुलाई को सत्ता में आती है तो वह नई दिल्ली का दौरा करेंगे। स्टार्मर भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना चाहते हैं। विदेश सचिव नियुक्त होने के बाद लैमी ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए पूर्व प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा तय की गई दिवाली 2022 की समयसीमा का जिक्र किया। कहा कि कई दिवाली बिना किसी व्यापार समझौते के आईं और चली गईं और बहुत से व्यवसायों को इंतजार करना पड़ा। लैमी ने भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और व्यापार मंत्री पियूष गोयल को संदेश दिया। उन्होंने दोनों के मुक्त व्यापार समझौता करने के लिए आमंत्रित किया। लैमी ने कहा, लेबर के साथ, एशिया में रुडयार्ड किपलिंग की उस पुरानी कविता को पढ़ने वाले बोरिस जॉनसन के दिन खत्म हो गए हैं। अगर मैं भारत में कोई कविता पढ़ता हूं, तो वह टैगोर होगी, क्योंकि भारत जैसी महाशक्ति के साथ सहयोग के क्षेत्र और सीखने के क्षेत्र असीमित हैं। लैमी ने भारत के साथ साझेदारी में काम करते हुए स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक पर जोर दिया। लैमी ने कहा, यूरोप और एशिया दो अलग दुनिया नहीं हैं।

नासा ने दिया अपडेट, स्पेस क्राफ्ट अच्छी स्थिति में चिंता की बात नहीं सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के लौटने में हो रही देरी

वॉशिंगटन। सुनीता विलियम्स उनका साथी अंतरिक्ष यान स्पेस में कैसे है यह बात सभी को परेशान कर रही है। आखिर क्या वजह हैं कि उन्हें लौटने में देरी हो रही है इस सभी बातों के बीच अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने सुनीता विलियम्स और उनके स्पेसक्राफ्ट को लेकर अपडेट दिया है। नासा ने कहा कि सुनीता का स्पेस क्राफ्ट अच्छी स्थिति में है। इसका अर्थ यह है कि चिंता की कोई बात नहीं है। नासा ने सुनीता विलियम्स के बोइंग स्टारलाइनर के अंतरिक्ष मिशन को आगे बढ़ा दिया है और यह 45 दिन और चलेगा। सुनीता से वापस लौटने में हो रही देरी के कारण तनाव का माहौल था। नासा ने पिछले सप्ताह कहा था कि स्पेस क्राफ्ट काफी अच्छी स्थिति में है और 45 दिनों से अधिक समय तक ऑर्बिट में रह सकता है। बता दें सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को ले जाने वाले विमान को पांच जून को लॉन्च किया था।

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के पक्ष में स्टार्मर, कश्मीर पर लेबर पार्टी का रुख बदला; चीन के खिलाफ सख्ती

लंदन।

ब्रिटेन में 14 साल बाद कंजर्वेटिव पार्टी की करारी हार पर ऋषि सुनक ने इस्तीफा दे दिया है। प्रतिद्वंद्वी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री का कार्यभार संभाल लिया है। ये वही नेता हैं जिन्होंने कश्मीर मुद्दे पर अपनी लेबर पार्टी का रुख बदला और माना कि भारत-पाकिस्तान को वार्ता के जरिये ही यह मुद्दा हल करना चाहिए। उनसे पहले जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने भारत सरकार द्वारा कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने पर अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों द्वारा कश्मीरियों के आत्मनिर्णय के अधिकार की पैरवी का प्रस्ताव पारित किया था।

2019 में कॉर्बिन के रुख से प्रवासी भारतीयों में काफी नाराजगी थी, लेकिन स्टार्मर ने भारतवंशियों को साधा और जीत की बुनियाद रखी। स्टार्मर ने भारतीय प्रवासियों के साथ बैठकों में इस बात पर जोर दिया कि कश्मीर भारत का आंतरिक मुद्दा है और इसे दोनों पड़ोसी ही हल करेंगे। उनकी पार्टी ने 650 सीटों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में 412 सीटें जीतकर बहुमत पा लिया। पूर्व पीएम ऋषि सुनक पार्टी को बहुमत के लिए जरूरी 326 सीटें नहीं जिता सके। उनकी पार्टी को 118 सीटें ही मिलीं। चुनावी जीत को स्टार्मर (61) ने बड़ा परिवर्तन बताया। उन्होंने 14 साल के कंजर्वेटिव शासन के बाद 'राष्ट्रीय नवीनीकरण' का वादा करते हुए कहा, काम तुरंत शुरू होगा। हालांकि, सुनक ने 23,059 वोटों के साथ उत्तरी इंग्लैंड में अपनी सीट जीत ली है। उन्होंने पार्टी की हार स्वीकारते हुए कहा, मेरे गंभीर फैसलों के चलते पार्टी को हुई नुकसान की जिम्मेदारी भी मेरी ही है, लेकिन मैं सेवा जारी रखूंगा। उन्होंने कहा, लेबर पार्टी ने आम चुनाव जीता है, मैं सर कीर स्टार्मर को बधाई देता हूं। उनके साथ पत्नी अक्षता मूर्ति भी शामिल थीं।

भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी के पक्षधर हैं स्टार्मर

स्टार्मर भारत के साथ नये सिरे से रणनीतिक साझेदारी के पक्षधर हैं। उन्होंने भारतीय मूल के लोगों के साथ लेबर पार्टी के संबंधों में सकारात्मक बदलाव की वकालत की है। उन्होंने अपनी पार्टी को मजबूत जनादेश मिलने पर भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के साथ-साथ वैश्विक सुरक्षा, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ाने का संकल्प जताया था। लेबर पार्टी के चुनावी घोषणापत्र में भी इसे शामिल किया गया था। स्टार्मर ब्रिटिश भारतीयों के साथ अपनी पार्टी के रिश्ते को नये सिरे से आकार देने की कोशिश कर रहे हैं, जो पूर्व नेता जेरेमी कॉर्बिन के समय कश्मीर पर भारत विरोधी रुख को लेकर प्रभावित हुए थे। स्टार्मर ने पिछले साल इंडिया ग्लोबल फोरम में कहा था, मेरी लेबर पार्टी की सरकार भारत के साथ लोकतंत्र और आकांक्षा के हमारे साझा मूल्यों पर आधारित संबंध तलाशेगी।

हिंदुओं के खिलाफ नफरत के लिए जगह नहीं

स्टार्मर ने प्रचार के दौरान उत्तरी लंदन में श्री स्वामीनारायण मंदिर यात्रा पर कहा था कि ब्रिटेन में हिंदुओं के खिलाफ नफरत के लिए कोई जगह नहीं है। इस संदेश को वह बीते कुछ वर्षों से दिवाली और होली के उत्सवों के दौरान दोहराते रहे हैं। पार्टी के इसी रुख ने उसे सत्तारूढ़ करने में अहम भूमिका निभाई है।

चीन के खिलाफ सख्त रवैये का संदेश

स्टार्मर की बड़ी चुनौती चीन नीति की दिशा तय करने की है। उन्होंने पिछले साल व्यापार, वाणिज्य और प्रौद्योगिकी पर चीन से दूर रहने का संदेश दिया था।

अमेरिका संग तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने की चुनौती

ब्रिटेन का अमेरिका के साथ तथाकथित विशेष संबंध हाल के वर्षों में तनावपूर्ण हो गया है। स्टार्मर को इससे निपटने की बड़ी चुनौती होगी।

पीएमओ में छठा प्रधानमंत्री देखेगी बिल्ली लैरी

ब्रिटेन के आम चुनाव में लैरी द कैट की भी खूब चर्चा है। लैरी 16 साल की एक बिल्ली है। वह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आवास 10 डाउनिंग स्ट्रीट में रहती है। उसे 'चीफ माउसर टू द कैबिनेट' का दर्जा मिला हुआ है। उसे 2011 में यह पदवी मिली थी। वह 2011 से ही प्रधानमंत्री आवास पर रहती है। लैरी द कैट को डेविड कैमरून में कार्यकाल में प्रधानमंत्री आवास में लाया गया था। उसे कैमरून ने एक नौकरशाह का दर्जा दिया था। लैरी का मुख्य काम प्रधानमंत्री आवास पर चूहे पकड़ना है। लैरी लगातार प्रधानमंत्री आवास और उसके आसपास घूमा करती है। उसके यहां रहते हुए प्रधानमंत्री आवास में पांच प्रधानमंत्री और उनके परिवार रहने आ चुके हैं। अब स्टार्मर के रूप में वह छठा प्रधानंत्री देखेगी।

जो बाइडन की उम्मीदवारी पर संकट, कमला हैरिस बन सकती हैं राष्ट्रपति पद की दावेदार

वॉशिंगटन ।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव नजदीक आ रहे हैं और डेमोक्रेट पार्टी एक अलग समस्या से जूझ रही है। दरअसल जो बाइडन की राष्ट्रपति पद की दावेदारी पर सवाल खड़े हो रहे हैं और मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, डेमोक्रेट पार्टी अब उम्मीदवारी के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की तरफ देख रही है। डेमोक्रेट पार्टी के कई नेता, दानदाता और पार्टी कार्यकर्ता मानते हैं कि जो बाइडन, ट्रंप के सामने कमजोर रह सकते हैं, यही वजह है कि अब जो बाइडन की जगह कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाने पर विचार किया जा रहा है।

बहस में पिछड़ने के बाद बाइडन की बढ़ती उम्र को लेकर तेज हुई चर्चा

बीते दिनों अटलांटा में हुई राष्ट्रपति पद की पहली बहस में जो बाइडन, डोनाल्ड ट्रंप के सामने कमजोर साबित हुए थे। बहस के दौरान कई बार बाइडन की जुबान लड़खड़ाई और जिस तरह से उन्होंने जवाब दिए, उसके बाद से उनकी बढ़ती उम्र की चर्चा फिर से तेज हो गई थी। हालांकि बाइडन अपनी उम्मीदवारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो डेमोक्रेट पार्टी के भीतर एक वर्ग कमला हैरिस को जो बाइडन के संभावित विकल्प के रूप में देख रहा है। कमला हैरिस और उनकी प्रचार टीम अभी सार्वजनिक रूप से बाइडन का ही समर्थन कर रही है, लेकिन हाल के दिनों में उनके प्रचार अभियान में जो सूक्ष्म बदलाव आए हैं, उससे भी अटकलों को बल मिला है।

जो बाइडन के चुनाव अभियान ने अटकलों को किया खारिज

कमला हैरिस अपने बयानों में डोनाल्ड ट्रंप पर ज्यादा आक्रामक होकर हमला कर रही हैं। पार्टी के भीतर जो बाइडन को मनाने की कोशिशें चल रही हैं कि वह कमला हैरिस का समर्थन करें। डेमोक्रेट पार्टी में एक वर्ग ऐसा भी है जो कमला हैरिस के नेतृत्व में चुनाव लड़ने को लेकर आशंकित है। इन चर्चाओं के बीच बाइडन के चुनाव अभियान के प्रवक्ता केविन मुनोज ने सभी अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जो बाइडन ही डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार होंगे और कमला हैरिस उनकी सहयोगी होंगी।

भारतवंशी सांसद लिसा नंदी संस्कृति सचिव नियुक्त, चुनाव में विगन से भारी बहुमत से जीतीं

लंदन।

ब्रिटेन के नवनियुक्त प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भारतवंशी सांसद लिसा नंदी को संस्कृति, मीडिया और खेल राज्य का नया सचिव नियुक्त किया। आम चुनाव में लेबर पार्टी ने भारी बहुमत से जीत दर्ज की है। वहीं, नंदी ने उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के विगन से भारी बहुमत से विजय प्राप्त की। 44 वर्षीय राजनेता नंदी अब लुसी फ्रेजर से संस्कृति मंत्रालय का कार्यभार संभालेंगी, जो ऋषि सुनक के नेतृत्व वाले कंजर्वेटिवों के लिए विनाशकारी चुनाव में अपनी सीटें हारने वाले टोरी मंत्रियों में से एक थीं। जीत के बाद नंदी ने अपने ग्रेटर मैनचेस्टर निर्वाचन क्षेत्र में स्वीकृति भाषण के दौरान मतदाताओं का धन्यवाद किया। इस दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके उम्मीदवार को हराने के बाद नंदी ने कहा, मैं उन लोगों से कहना चाहती हूं, जो हमारे शहर में अपनी घृणित, नस्लवादी राजनीति लेकर आए हैं, विगन का इतिहास श्रमिक वर्ग के लोगों का है, जिन्होंने 100 वर्षों तक आपको और आपकी नफरत को हमारे शहर से बार-बार बाहर निकाला है। कोलकाता में जन्मे अकादमिक दीपक नंदी की बेटी और ब्रिटिश मां ने अतीत में लेबर पार्टी के

सम्मेलनों के दौरान अपनी भारतीय विरासत के बारे में बात की है। उनके पिता ब्रिटेन में नस्ल संबंधों के क्षेत्र में अपने काम के लिए जाने जाते थे। नंदी ने कहा, दोस्तों, हम आज एक ऐसे शहर में मिल रहे हैं जो आप्रवासन की लहरों से बने एक द्वीप से समुद्र की ओर देखता है। उन्होंने कहा, मेरे पिता 50 के दशक में भारत से यहां आए थे और नस्ल संबंधी अधिनियम बनाने के संघर्ष के माध्यम से हमारी राष्ट्रीय कहानी बनाने में मदद की। इस दौरान नंदी ने महात्मा गांधी के नेतृत्व वाले भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर विचार किया। याद करते हुए कहा कि एक सदी पहले मेरे परिवार की जड़ें एक साथ पिरोई गई थीं। जब कपास आना बंद हो गया था और मिलें चलना बंद हो गई थीं।

मुहर्रम में सोशल मीडिया बंद करने की मांग राज्यों को हिंसा का डर, प्रधानमंत्री से की अपील

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में मुहर्रम के दौरान सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लग सकता है। दरअसल पाकिस्तान के पंजाब राज्य समेत कई अन्य राज्यों ने संघीय सरकार से यह मांग की है। राज्यों को डर है कि मुहर्रम के दौरान हिंसा भड़क सकती है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए नफरती संदेश तेजी से फैलने का डर है।

पाकिस्तान में मुहर्रम के दौरान हो चुकी हैं कई आतंकी घटनाएं

मुहर्रम के दौरान शिया मुसलमान इस्लाम के पैगंबर के पोते की शहादत की याद में बड़ी-बड़ी

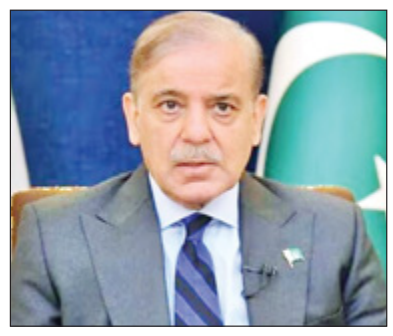

सभाएं करते हैं और जुलूस निकालते हैं। शिया मुसलमान उनकी शहादत को अत्याचार के प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में मनाते हैं। इस दौरान मोहर्रम के पहले दस दिनों तक विशाल रैलियां करते हैं। शिया मुस्लिमों की सुन्नी मुस्लिमों के साथ ऐतिहासिक धार्मिक प्रतिद्वंदिता है। यही वजह है कि कट्टरपंथी सुन्नी समूहों की तरफ से मुहर्रम के दौरान शिया मुस्लिमों की रैलियों को निशाना बनाने की घटनाएं होती हैं। इस दौरान पाकिस्तान में बम विस्फोट या आत्मघाती हमलों का डर बना रहता है।

पंजाब सरकार ने संघीय सरकार से की अपील हिंसा के डर से ही पाकिस्तान की सरकार मुहर्रम के दौरान दूरसंचार के साधनों पर रोक, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने जैसे कदम उठाती है। पंजाब की सरकार ने संघीय सरकार से अपील की है कि मुहर्रम के दौरान 6-11 जुलाई तक सोशल मीडिया सेवाओं पर रोक लगाई जाए ताकि भ्रामक संदेशों को फैलने से रोका जा सके। पंजाब सरकार ने गृह मंत्रालय को एक पत्र लिखा है, जिसमें मुहर्रम के दौरान फेसबुक, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स, टिक-टॉक आदि सोशल मीडिया मंचों पर पूरे प्रांत में रोक लगाने की मांग की।

पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि सोशल मीडिया मंचों पर रोक लगाने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ही करेंगे। अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं किया है। चांद दिखने के साथ ही मुहर्रम की शुरुआत हो सकती है। मुहर्रम की शुरुआत पर फैसला लेने के लिए मौलवियों की निकाय चर्चा कर रही है।

काम के बोझ से नहीं मर सकता रोबो, लोग लगा रहे कयास, रोबो खुदकुशी पर जांच है जारी

कैलिफोर्निया।

जिंदा इंसान खुदकुशी करता है तो समझ में आता है कि अब उसके जीने के तमाम रास्ते बंद हो चले थे, इसलिए उसने यह कदम उठा लिया होगा, लेकिन रोबोट तो उतना ही काम कर सकता है, जितना कि उसे करने के लिए बनाया गया है। वैसे भी खुदकुशी करना तो जुर्म है। इसलिए रोबो को बनाने वालों ने खुदकुशी जैसा कोई फीचर उसमें सेट किया हो, कहा नहीं जा सकता। दरअसल रोबो के द्वारा खुदकुशी करने का मामला जब से सामने आया है, लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं और बयान दे रहे हैं। ऐसे ही कुछ लोगों का कहना है कि रोबोट ने खुदकुशी नहीं की होगी, बल्कि जिसने उसे आदेश दिया होगा, उसने ही उसे ऐसा करने पर मजबूर किया होगा। वैसे रोबो की खुदकुशी वाले मामले ने सभी के होश उड़ा दिए हैं। यह

मामला दक्षिण कोरिया से सामने आया है। यहां एक रोबोट के खुदकुशी करने का मामला गर्माया हुआ है। सेंट्रल साउथ कोरिया में नगर पालिका ने बताया कि वह एक मामले की जांच करेगा, जिसमें रोबोट ने खुद को सीढ़ियों से नीचे गिरा कर खुदकुशी की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये रोबोट नगर निगम के कार्यों में मदद करता था। नगर निगम टीम के एक अधिकारी ने बताया कि रोबोट करीब एक साल से गुमी शहर के निवासियों को प्रशासनिक कार्यों में मदद कर रहा था। वह बीते हफ्ते सीढ़ियों से नीचे निष्क्रिय अवस्था में पाया मिला यानी वो सक्रिय नहीं था। अधिकारी ने बताया कि चश्मदीदों ने रोबोट को गिरने से पहले इधर-उधर घूमते देखा था। मानो वह कुछ ढूंढ रहा यह गड़बड़ लगा। इन्होंने कहा कि घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है. ऐसा माना जा रहा है कि रोबोट काम के कारण तनाव में था। अधिकारी ने आगे कहा कि रोबोट के पार्ट्स को एकत्रित कर लिया गया है और इसे बनाने वाली कंपनी इसका परीक्षण करेगी। एक अन्य अधिकारी ने खेद जताते हुए कहा, ये आधिकारिक तौर पर शहर की नगर पालिका का हिस्सा था और हममें से एक ही था। कैलिफोर्निया में बियर रोबोटिक्स द्वारा बनाया गया ये रोबोट सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक काम करता था और इसका अपना पब्लिक सर्विस कार्ड भी था। एक मंजिल तक सीमित अन्य रोबोट्स के विपरीत ये लिफ्ट को बुला सकता था और फ्लोर्स में ऊपर नीचे तक जा सकता था। स्थानीय अखबारों ने इस खबर को कवर पेज पर छापा है। एक की हेडिंग में पूछा गया है इस मेहनती पब्लिक सर्वेंट ने इस तरह का व्यवहार क्यों किया या क्या रोबोट के लिए काम बहुत कठिन था। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स के मुताबिक दक्षिण कोरिया रोबोट के प्रति अपने आकर्षण के लिए जाना जाता है, जहां हर दस कर्मचारियों पर एक रोबोट है। यहां दुनिया में सबसे ज्यादा रोबोट्स हैं। बहरहाल लोग तो यही मान रहे हैं कि रोबो खुदकुशी नहीं कर सकता है।

यूक्रेन ने किया रूस के 24 ड्रोन मार गिराने का दावा, रात में हुआ था हमला

कीव। रूस-यूक्रेन युद्ध को चलते हुए दो साल से भी ज्यादा का समय हो गया। अब भी हमले में कई लोगों की मौतें हो रही हैं, यूक्रेन के ताजा हमले में यूक्रेन वायु रक्षा ने 27 में से 24 रूसी ड्रोनों को मार गिराया। यूक्रेनी वायु सेना ने इसकी जानकारी दी है, ड्रोन को 12 क्षेत्रों में मार गिराया गया। इससे पहले यूक्रेन की सेना ने दक्षिणी रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में भी एक बड़ा ड्रोन हमला किया था। इस हमले में एक तेल रिफाइनरी समेत अन्य जगहों को निशाना बनाया गया था। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। यूक्रेन में जारी है ब्लैकआउट राष्ट्रीय ग्रिड ऑपरेटर उक्रेनर्गो ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, इस हवाई हमले से उपभोक्ताओं के लिए आपातकालीन बिजली भी बंद हो गई थी। साथ ही सहायक दल क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि मार्च के बाद से, रूसी सेनाओं ने यूक्रेनी बिजली क्षेत्र पर भी बमबारी तेज कर दी है, जिससे थर्मल और जलविद्युत उत्पादन का बड़ा हिस्सा ठप हो गया है और पूरे देश में लंबे समय तक ब्लैकआउट करना पड़ा है। तीन लोगों की मौत और तीस घायल रूस ने हाल ही में उत्तरी यूक्रेन के खार्किव में एक आवासीय इमारत पर भी बमबारी की थी, इस हमले में तीन लोग मारे गए थे और तीस लोग घायल हुए थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इस हमले को लेकर टेलीग्राम पर अपने विचार व्यक्त किए थे, उन्होंने कहा था, रूसी आतंकवादियों ने फिर से खार्किव पर बमों से हमला किया है। उन्होंने बताया कि बचाव दल की तरफ से मलबा हटाने के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं इससे पहले रूस ने दक्षिण-पूर्वी शहर निप्रो के एक कैफे में हमला किया था। इस हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से अतिरिक्त एयर डिफेंस सिस्टम और मिसाइल की मांग की थी।